रेलटेल कार्पोरेशन लिमिटेड की वर्ष 2013-14 की वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखों की समीक्षा ।

Laid on the table of
Lok Sabha :22/12/14
Rajya Sabha: 20/3/15

रेलटेल का गठन शेड्यूल 'ए' कंपनी के रूप में रेल मंत्रालय के अंतर्गत सितंबर, 2000 में किया गया था जिसका उद्देश्य अत्याधुनिक संचार की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ रेलगाड़ियों के परिचालन और रेलवे नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना है।

2. रेलवे की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के अलावा रेलटेल भारतीय टेलीकॉम उद्योग के लिए भी सेवाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं में इंटरनेट बैंडविड्थ आई.पी.-वी.पी.एन., एमपीएलएस, एनजीएन आधारित वॉयस कैरिज सेवाएं, टेलीकॉम आपरेटरों जैसे कि एयरटेल, टी.टी.एस.एल/टी.टी.एम.एल, एयरसेल, एम.टी.एस., वोडाफोन, आइडिया इत्यादि, सरकारी संगठन जैसे कि एन.आई.सी., सेना, डी.आर.डी.ओ., बार्क (BARC) आदि, विभिन्न सार्वजनिक उपक्रम जैसे कि सी.डब्ल्यु.सी., एसपीएमसीआईएल, टी.सी.आई.एल.आदि और बैंक जैसे कि आर.बी.आई/आईडीआरबीटी, एस.बी.आई, बैंक आफ बडौदा, सैन्ट्रल बैंक, देना बैंक, आईसीआईसीआई आदि को को-लोकेशन स्पेस सेवाएं प्रदान करना शामिल है । रेलवे की महत्वपूर्ण सूचना प्रणालियां जैसे – पीआरएस, यूटीएस, रेलनेट, संचार नियंत्रण आदि को भी रेलटेल नेटवर्क के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

3. रेल मंत्रालय द्वारा रेलटेल को 15 करोड़ रु. की आरंभिक पूंजी प्रदान की गई थी और शेयर पूंजी के बदले इसकी ओएफसी संपत्तियां रेलटेल को हस्तांतरित की गई थीं। वर्तमान में रेलटेल को भुगतान की गई पूंजी 320 करोड़ रु. है और दिनांक 31.3.2013 तक कंपनी की कुल पूंजी 796 करोड़ रु. थी।

4. वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, आईपी-एमपीएलएस आधारित डेटा नेटववर्क के अलावा रेलटेल ऑप्टिकल फाइबर केबल और 10जी/2.5 जी गुणांक क्षमता वाले नेटवर्क को चालू कर अपनी पहुंच का विस्तार करने के प्रयास जारी रखे हुए है । ओएफसी नेटवर्क ने 4145 स्टेशनों को जोड़कर लगभग 42,500 मार्ग किमी. तक विस्तार कर लिया है। रेलटेल ने अपना पहला III-टीयर डेटा सेंटर सिकंदराबाद में शुरू किया है जो भारत का आठवां III-टीयर डेटा सेंटर है। इसके अलावा, गुडगांव (हरियाणा) में ऐसी ही सुविधाओं से युक्त एक डाटा सैन्टर का निर्माण पहले ही किया जा चुका है। इससे उपक्रमों और सरकारी संगठनों को वैल्यू एडिड सर्विसेज प्रदान करने में सहायता मिलेगी।

5. वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, रेलटेल ने निरंतर नेशनल नॉलेज नेटवर्क लिंक मुहैया करवाया है। मार्च, 2014 तक रेलटेल ने नेटवर्क के संचालन के लिए 26 कोर लिंक, 122

डिस्ट्रीब्यूशन लिंक और 391 एक्सेस लिंक की व्यवस्था की है। एनकेएन परियोजना के अंतर्गत, रेलटेल ने अगले वर्ष तक 1200 करोड़ रु. की लागत वाले लिंक कार्य करने की तैयारी की है।

6. यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड स्कीम (USOF) के अंतर्गत दूरसंचार विभाग को एनई-। और एनई-।। (एनई-। के अंतर्गत मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और एनई-।। के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और नगालैंड हैं) में ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC) बिछाने की परियोजना सौंपी गई है। इस स्कीम के अंतर्गत प्रदान किया गया नेटवर्क दूरसंचार विभाग/यूएसओएफ से सब्सिडी पाने का पात्र होगा और रेलटेल के स्वामित्व में बना रहेगा ।

7. भारत सरकार ने स्वीकृत नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क परियोजना (एनओएफएन) के कार्यान्वयन के लिए तीन कंपनियों का चयन किया था जिनमें से रेलटेल एक है, जिसका कार्य सभी पंचायतों को ब्रॉडबैंड के माध्यम से जोड़ना है। एनओएफएन परियोजना के तहत, रेलटेल को कुल 36,000 पंचायतों वाले 11 राज्य – तमिलनाडु, गुजरात, पुडुचेरी, दमन एवं दीव, दादर एवं नगर हवेली, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश आबंटित किए गए हैं। रेलटेल के लिए इस परियोजना की कुल लागत लगभग 2500 करोड़ रु. है। सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है।

8. पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष के दौरान प्राप्त वित्तीय परिणाम निम्नलिखित हैं:

(करोड़ रु. में)

विवरण	2013-14	2012-13
(i) आय	537.73	440.25
(ii) परिचालन व्यय	284.06	208.83
(iii) सकल लाभ	168.91	142.49
(iv) कर के बाद लाभ	137.93	112.56
(v) अदा किया गया लाभांश	17.00	15.00
(vi) सकल ब्लॉक	1078.40	983.45
(vii) शुद्ध प्राप्ति	912.81	796.61

***